भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) ने वित्तीय वर्ष की तीसरी तिमाही में अपने वृद्धि संवेग को जारी रखते हुए शुद्ध लाभ (कर पश्चात लाभ) में लगभग 31 प्रतिशत की भरपूर वृद्धि कर एक साल पहले की समान अवधि में गत वर्ष के रुपये 10,726 मिलियन के मुकाबले रूपये 14,032 मिलियन का शुद्ध लाभ (कर पश्चात) हुआ ।

कम्पनी की प्रचालनो द्वारा बिक्री/आय लगभग 26 प्रतिशत की वृद्धि के साथ पिछले साल के 7386 करोड़ रूपये की अपेक्षा 9280 करोड़ रूपये रही । तिमाही के दौरान शुद्ध लाभ 20,655 मिलियन रूपये रहा जो कि पिछले वर्ष इसी समय के दौरान रूपये 16,443 मिलियन था और इसमें लगभग 26 प्रतिशत की वृद्धि हुई । इसके साथ ही बीएचईएल ने निर्बाध रूप से पिछले चार दशकों से बिना किसी ब्रेक के लाभ अर्जित करने के अपने ट्रेक रिकार्ड को बनाये रखा है । उल्लेखनीय है कि पिछले पांच वर्षों में बीएचईएल की कुल बिक्री में तीन गुना और शुद्ध लाभ में चार गुना वृद्धि हुई है ।

वर्ष की तीसरी तिमाही के अन्त में अब तक की सर्वाधिक रुपये 1,580,000 मिलियन ऑर्डर बुक स्थिति के साथ वर्ष 2010-11 और उससे आगे कम्पनी को जबरदस्त वृद्धि की आशा है ।

महत्वपूर्ण है कि बीएचईएल ने वित्तीय वर्ष 2010-11 के लिये बोनस पश्चात बढ़ी हुई इक्विटी कैपीटल पर 233 प्रतिशत इक्विटी लाभांश प्रदान किया जो कि एक वर्ष पहले 170 प्रतिशत था । रूपये 11,410

मिलियन की यह अब तक की कम्पनी द्वारा लाभांश के रूप में प्रदान की गई सर्वाधिक राशि है ।

अभी हाल ही में बीएचईएल को सार्वजनिक और निजि क्षेत्रों की कंपनियों के बीच दिये जाने वाले सबसे अधिक सात "एक्सीलेंस इन कॉस्ट मैनेजमेंट हेतु आईसीडब्ल्यूआई राष्ट्रीय पुरस्कार " प्रदान किये गये । बीएचईएल को यह पुरस्कार लगातार पांचवे वर्ष प्रदान किया गया है । इससे पहले वर्ष 2005, 2006, 2007 और 2008 के लिये बीएचईएल को पुरस्कार दिये गये थे । उत्कृष्ट लागत प्रबन्धन लागू करने के कारण बीएचईएल वर्ष 2009-10 में लागत सामग्री के मूल्य में 2.8% की कमी करने में सफल रही है ।

बीएचईएल, देश के विद्युत विकास कार्यक्रम के प्रति प्रतिबद्ध है और भविष्य में देश की विद्युत मांग को पूरा करने के लिए खुद को अति आधुनिक तकनीक, सुवधाओं व प्रशिक्षित कर्मचारियों से सुसज्जित कर भारतीय विद्युत विकास क्षेत्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुन: पुष्टि करती है । कम्पनी ने अपनी विनिर्माण क्षमता को बढ़ा कर 15000 मेगावाट प्रति वर्ष तक स्थापित कर लिया है और इसे बढ़ा कर 20000 मेगावाट प्रति वर्ष करने का कार्य प्रगति पर है ।